(ख) प्रत्येक वर्ष कितने ट्रांसफार्मरों का निर्माण किया जा रहा है ; और

(ग) क्या देश की आवश्यकताएं पूरी करने के लिए ये ट्रांसफारमर पर्याप्त हैं तथा क्या ये गुण परीक्षा में खरे उतरे हैं ?

उद्योग मंत्री (श्री जार्ज फर्नांडिस) : (क) इस समय संगठित क्षेत्र में 33 एकक विद्युत और वितरण ट्रांसफार्मरों का निर्माण कर रहे हैं, इनमें केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र का एक एकक और राज्य सरकारों के स्वामित्व वाले 7 एकक शामिल है। इनके अलावा, लघु क्षेत्र में लगभग 100 एकक मुख्य रूप से वितरण ट्रांसफार्मरों का निर्माण कर रहे हैं।

(ख) इस उद्योग के उत्पादन के आंकड़े कुल के०वी०ए० के रूप में रखे जाते हैं। संगठित क्षेत्र में गत चार वर्षों में निम्नलिखित उत्पादन हुआ है :—

1973–74	124.7 लाख के०वी०ए०
1974–75	124.0 लाख के०वी०ए०
1975–76	137.8 लाख के०वी०ए०
1976–77	160 0 लाख के०वी०ए० (अनुमानित)

लघु क्षेत्र के उत्पादन के आंकड़े तत्काल उपलब्ध नहीं हैं लेकिन वितरण ट्रांसफार्मरों के सम्बध में लघु क्षेत्र का पर्याप्त योगदान होता है।

(ग) जी, हां।

अम्बाला, हरियाणा के निकट ट्रांसफार्मर का कारखाना

5060. श्रीमती चन्द्रावती : क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अम्बाला, हरियाणा के निकट कोई कारखाना ट्रांसफार्मर बना रहा है ; यदि हां, तो कब से;

(ख) इन ट्रांसफार्मरों के निर्माण में किन धातुओं का कितनी मात्रा में उपयोग होता है ;

(ग) प्रतिवर्ष कितने ट्रांसफार्मरों का निर्माण किया जा रहा है तथा क्या उनकी गुणात्मकता का परीक्षण किया गया है और यदि हां, तो उसके क्या परिणाम निकले हैं ;

(घ) क्या ट्रांसफार्मर बनाने के बजाय ये धातुएं विशेषकर तांबा काले बाजार में बेचा गया था ; और

(ङ) क्या उक्त कारखाना लाभ में चल रहा है?

उद्योग मंत्री (श्री जार्ज फर्नांडिस): (क) उद्योग मंत्रालय में उपलब्ध जानकारी के अनुसार हरियाणा राज्य में केवल एक एकक अर्थात् हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड, धूलकोट (अम्बाला) 100 के० वी० ए० रेटिंग्स तक के वितरण ट्रांसफार्मरों का निर्माण कर रहा है। उन्हें 11–8–1971 को एक औद्योगिक लाइसेंस जारी किया गया था। 2000 नग प्रतिवर्ष की क्षमता के लिए लाइसेंस दिया गया था जो लगभग 200,000 के० वी० ए० के समतुल्य है। इस एकक की स्थापना प्रारम्भ में हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड के ट्रांसफार्मरों की मरम्मत के लिए की गई थी। वे जिन ट्रासफार्मरों का निर्माण करते है, वे मुख्य रूप से हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड के रक्षित उपयोग (केप्टिव यूज) के लिए होते हैं।

(ख) कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरिएण्टेड (सी० आर० जी० ओ०) इलेक्ट्रिकल स्टील शीट्स, तांबा, अल्युमिनियम और माइल्ड

स्टील प्रमुख रूप से अपेक्षित धातुएं ट्रांसफार्मरों के निर्माण के लिए काम में लाई जाती है। अपेक्षित धातु की मात्रा ट्रांसफार्मर के डिजाइन और आकार के अनुसार अलग अलग होती है। प्रति के० वी० ए० रेटिंग वितरण ट्रांसफार्मरों के लिए अपेक्षित धातुओं का मोटा अनुमान निम्न प्रकार है :—

(1) सी० आर० जी० ओ० शीट्स— 2.1 से 2.3 कि० ग्रा० के बीच/के० वी० ए०।

(2) तांबा—0.85 से 1.0 कि० ग्रा० के बीच/के० वी० ए० (कापर बुन्ड ट्रांसफार्मरों के लिए)

(3) अल्युमिनियम—0.6 से 0.75 कि० ग्रा० के बीच /के० वी० ए० (अल्युमिनियम वुन्ड ट्रांसफार्मरों के लिए)

(4) माइल्ड स्टील—2 कि० ग्रा०/ के० वी० ए०

आयात प्रतिस्थापन के उपाय के रूप में ट्रांसफार्मर निर्माताओं को 1971 में सूचित किया गया था कि वे 300 के० वी० ए०/ 11 के० वी० रेटिंग्स तक तांबे के बजाय अल्युमिनियम वुन्ड ट्रांसफार्मरों का निर्माण करें। फिर भी जब कभी तांबे से विशेष प्रकार के ट्रांसफार्मरों का निर्माण करना होता है, तो पार्टियां आवश्यक अनुमति के लिए सरकार से सम्पर्क करती है।

(ग) उपर्युक्त एकक का गत तीन वर्षों का उत्पादन निम्न प्रकार है :—

1974... 24,660 के० वी० ए० (579 नग)

1975... 46,340 के० वी० ए० (738 नग)

1976... 40,175 के० वी० ए० (467 नग)

इस फर्म द्वारा निर्मित ट्रांसफार्मरों की किस्म के बारे सरकार को कोई शिकायत नहीं मिली है।

(घ) सरकार को इस बात की जानकारी नहीं है कि फर्म ने धातुओं विशेष रूप से तांबे को काले बाजार में बेचा है। सरकार को इस बात की भी जानकारी नहीं है कि फर्म ने तांबा और अन्य धातुएं किससे प्राप्त की हैं।

(ङ) सरकार को इसकी कोई जानकारी नहीं है।

Use of IAF planes by the former Minister of State for Defence

5061. SHRI DEVENDRA SATPATHY: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) how many times were I.A.F. aeroplanes used by the former Union Minister of State for Defence in November and December, 1976;

(b) what is the State-wise break up of these trips;

(c) whether some relatives of the then Adviser to the Governor of Orissa travelled by I.A.F. planes;

(d) if so, whether such travels are in accordance with rules;

(e) whether these travels were unauthorised; and

(f) if so, whether the charges have been recovered from the then Adviser and has any action been taken to prevent unauthorised use of I.A.F. planes?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM): (a) and (b). Shri J. B. Patnaik, the former Union Minister of State for Defence used IAF aeroplanes on 9 occasions in November and December, 1976. All these flights were undertaken to and from the State of Orissa.

(c) to (f). The list of passengers is given in the attached Statement. It is not known whether any of them was a relative of the then Adviser to the Governor of Orissa. Under the existing orders, the former Minister of State could indent the VIP aircraft of the IAF. He could also carry any